सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 22 | अजमेर, रविवार 10 मई 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्ष के शासन का अंत

पश्चिम बंगाल का अधिकार शुभेन्दु अधिकारी को, राज्य की राजनीति में भाजपा का नया अध्याय

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के जुझारू नेता शुभेन्दु अधिकारी ने शनिवार को यहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार के गठन के साथ राजनीति का एक नया अध्याय शुरू हुआ है और तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्ष के शासन का अंत हो गया है।छप्पन वर्षीय अधिकारी को राज्यपाल आरएन रवि ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित भव्य समारोह में विशाल जन समूह के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा तथा उसके नेतृत्ववाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन वाले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगातार दो चुनावों में शिकस्त देने वाले अधिकारी को शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया था।

उन्नीस सौ पचास के दशक में गठित जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक विरासत और विचारधारा की वाहक भाजपा पश्चिम बंगाल में 20।6 से पहले राजनीतिक हाशिए पर थी। वर्ष 2016 के विधान सभा चुनाव में उसने पहली बार तीन सीटों के साथ अपना खाता खोला था और 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीत कर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा प्राप्त किया। राज्य में भाजपा के उदय के साथ वर्षों से सत्ता में रहे कांग्रेस और वामपंथी दल हाशिए पर चले गए।शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर कविवर रवींद्र नाथ टैगोर का चित्र लगा हुआ था जिनकी आज जयंती मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री ने मंच पर पहुंचते ही उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके बाद धिकारी ने भी साहित्य के नोबेल से सम्मानित गुरुदेव को श्रद्धांजलि दी।प्रधानमंत्री ने मंच से राज्य की जनता को दंडवंत प्रणाम किया। उन्होंने मंच पर ही पश्चिम बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का शॉल ओढ़ा कर अभिनंदन किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अधिकारी ने शुक्रवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पश्चिम बंगाल के पुर्निर्माण का संकल्प लेते हुए कहा था कि भाजपा सरकार राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।उल्लेखनीय है कि बंगाल एक समय देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य था लेकिन राजनीतिक माहौल के चलते धीरे धीरे पिछड़ता गया। इस बार विधान सभा चुनाव में यह भी एक प्रमुख मुद्दा था। इसके अलावा राज्य में घुसपैठिए, हिंसा, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा को भी भाजपा नेताओं ने ममता सरकार के विरुद्ध प्रमुख मुद्दा बनाया था।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चले विवाद के बीच हुए इस चुनाव में मतदाताओं की ऐतिहासिक भागीदारी रही और 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। यह आजादी के बाद एक रिकार्ड है। तृणमूल ने एसआईआर को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और आरोप लगाया था कि जानबूझ कर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराने तथा मतदाताओं को हिंसा तथा भय मुक्त वोट का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे।इस चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर से भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से 15,000 से अधिक वोटों से पराजित हुईं। पिछले 2021 के चुनाव में अधिकारी ने उन्हें नंदीग्राम सीट पर हराया था। अधिकारी इस बार नंदीग्राम से भी चुनाव जीते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 98 वर्षीय कार्यकर्ता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर एक भावुक और ऐतिहासिक पल देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम

बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने और सम्मानित कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।98 वर्ष की आयु में भी माखनलाल सरकार स्वतंत्रता के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन की जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं। उनका राजनीतिक और सामाजिक योगदान दशकों पुराना है।वर्ष 1952 में जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में भारतीय तिरंगा फहराने के लिए आंदोलन शुरू किया था, तब माखनलाल उनके साथ थे और इसी दौरान उन्हें कश्मीर में गिरफ्तार भी किया गया था।1980 में भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद माखनलाल ने पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के लिए संगठनात्मक समन्वयक के रूप में कार्यभार संभाला।इसके बाद 1981 से लगातार सात वर्षों तक उन्होंने जिला अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दीं। पार्टी के शुरूआती और संघर्षपूर्ण वर्षों के दौरान उनका यह योगदान आज भी संगठन के लिए मिसाल माना जाता है।

ममता बनर्जी के आवास के बाहर केंद्रीय बलों की तैनाती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही घंटों बाद, शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट

स्थित आवास के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया।यह कदम तब उठाया गया जब भाजपा समर्थकों के एक समूह ने उनके घर के पास इकट्ठा होकर जय श्री राम के नारे लगाए। यह घटनाक्रम ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथग्रहण समारोह के कुछ ही देर बाद हुआ।स्थानीय सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद मोटरसाइकिल पर सवार भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का एक समूह कालीघाट पहुंचा। समर्थकों ने बनर्जी के आवास के बाहर नारेबाजी की, जबकि कुछ कार्यकर्ता मुख्य द्वार के करीब जमा हो गए। इलाके में पहले से तैनात पुलिस कर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने और उन्हें आवास के करीब जाने से रोकने का प्रयास किया।स्थिति को बिगड़ने से रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभाव से आवास के सामने केंद्रीय बलों की तैनाती कर दी गई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि स्थिति अब नियंत्रण में है और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। केंद्रीय बल के जवान आवास के पास आवाजाही को प्रतिबंधित कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कालीघाट स्थित बनर्जी के आवास के बाहर से बैरिकेड्स हटा दिए गए थे और सुरक्षा कम कर दी गई थी, हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को निर्धारित सुरक्षा कवर प्राप्त है। सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर भी सुरक्षा तैनाती में कटौती देखी गई थी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में शोभनदेव चट्टोपाध्याय होंगे विपक्ष के नेता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता होंगे। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को इसकी घोषणा की। श्री चट्टोपाध्याय पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में मंत्री थे। उन्होंने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बालीगंज निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत हासिल की है।

अमरीकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को किया रद्द, राष्ट्रपति ने जजों को 'बर्खास्त' करने की दी चेतावनी

वॉशिंगटन। अमरीका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस व्यापक कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत कई देशों से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था।अदालत ने फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति ने इन करों को लागू करने के लिए कांग्रेस (संसद) को दरकिनार कर अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है।इस फैसले को कानूनी चुनौती हजारों व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई प्रमुख अमेरिकी व्यापार संघों ने दी थी। अदालत संघों के इस तर्क से सहमत थी कि राष्ट्रपति विधायी मंजूरी के बिना एकतरफा रूप से इतने बड़े आर्थिक उपाय लागू नहीं कर सकते।इस निर्णय ने प्रभावी रूप से उन शुल्कों पर रोक लगा दी है, जो अरबों डॉलर के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले थे। ट्रंप ने न्यायपालिका पर तीखा हमला करते हुए इस पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी। ह्वाइट हाउस में उदबोधन में उन्होंने इस फैसले को अपमानजनक और अमरीका विरोधी करार दिया।यह एक ऐसा निर्णय है जिसने तत्काल संवैधानिक चिंताएं पैदा कर दी हैं, राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि उनके पास संबंधित न्यायाधीशों को हटाने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि मैं उन न्यायाधीशों को बर्खास्त करने जा रहा हूं। आप न्यायाधीशों को देश चलाने की अनुमति नहीं दे सकते।

सम्पादकीय

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में देख रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में ह्लबंगाली अस्मिताह्व और ह्लहिंदू पहचानह्व के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। ह्लवंदे मातरम्ह्व का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि ह्लसांस्कृतिक सुरक्षाह्व स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान ह्लजय श्रीरामह्व जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल ह्लहिंदी बनाम बंगालीह्व के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है।

कोलकाता का ब्रिगेड परेड ग्राउंड नारंगी रंग में बदल गया

भगवा संगठन की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड की ओर जाने वाली सभी सड़कें उस समय नारंगी रंग में नजर आई जब भारतीय जनता पार्टी के हजारों कार्यकर्ता और समर्थक राज्य में भगवा संगठन की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को देखने के लिए ऐतिहासिक स्थल की ओर बढ़ रहे थे।भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई, उनके हाथ में भाजपा लिखा हुआ भगवा झंडा था। उनमें से कई ने नारंगी टोपी और स्कार्फ पहने हुए थे, जिससे प्रतिष्ठित मैदान की ओर जाने वाले सभी मुख्य मार्ग भगवा रंग में बदल गए।यह समारोह रवीन्द्र जयंती के साथ हुआ, जो राज्य के सबसे बड़े सांस्कृतिक प्रतीक, नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती का प्रतीक है। टैगोर के एक बड़े चित्र को मुख्य मंच पर एक प्रमुख स्थान पर लगाया गया था, जिसने हाई-प्रोफाइल राजनीतिक कार्यक्रम को एक विशिष्ट बंगाली सांस्कृतिक स्पर्श प्रदान किया। मंच पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी और ईश्वर चंद्र विद्यासागर की तस्वीरें भी प्रमुखता से लगाई गईं।मुख्य मंच की पृष्ठभूमि में एक महिला के शंख बजाते हुए चित्र थे, जबकि एक पुजारी जलती हुई मशाल लेकर मंदिर के बाहर खड़ा था। सबसे आकर्षक छवि दुर्गा पूजा की थी, जिसमें एक व्यक्ति "धुनुची" लिए हुए था, जबकि ढाकी लोग ढाक बजा रहे थे।

जैसे ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी खुली मारुति सुजुकी जिप्सी में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पहुंचे, खचाखच भरी भीड़ से मोदी, मोदी, जय श्री राम और विश्वगुरु के जोरदार नारे लगने लगे। मोदी सुबह 11.07 बजे मंच पर पहुंचे और टैगोर के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की, माखनलाल सरकार को सम्मानित करने से पहले कार्यक्रम स्थल पर एकत्र समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई, जिन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम किया था और उन्हें जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था।प्रधानमंत्री ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए और पश्चिम बंगाल में भाजपा की वैचारिक जड़ों पर प्रकाश डालते हुए एक्स पर भी पोस्ट किया, आज, जब पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार शपथ ले रही है, तो हम सभी के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल

के लिए उनके चिरस्थायी योगदान को याद करना स्वाभाविक है। उनके दृष्टिकोण को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।उन्होंने कहा कि कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान, माखनलाल सरकार जी से मिलने का अवसर मिला। एक कट्टर राष्ट्रवादी जिन्होंने डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया और उनके साथ रहते हुए उन्हें जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने अपना जीवन हमारी पार्टी को समर्पित कर दिया, पूरे पश्चिम बंगाल में अपना आधार बढ़ाया, सभी क्षेत्रों के लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। हमें भाजपा में गर्व है कि हमारे पास ऐसे प्रेरक व्यक्ति हैं जिन्होंने लोगों के बीच काम किया और हमारी पार्टी को मजबूत किया।कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और लगभग 20 राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच पर राज्यपाल आरएन रवि के साथ प्रमुख शख्सियतों में से थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।जैसे ही अधिकारी ने शपथ ली, भीड़ से जोरदार जयकारे गूंजने लगे, समर्थक पार्टी के झंडे लहरा रहे थे और नई सरकार के समर्थन में नारे लगा रहे थे। मैदान जय श्री राम और सुभेंदु अधिकारी की जय! के नारों से गूंज उठा।समारोह में अभिनेता एवं भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती भी मौजूद थे और उन्होंने मंच पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से बातचीत की।कार्यक्रम स्थल के अंदर, झालमुड़ी बेचने के लिए कम से कम 20 स्टॉल लगाए गए थे, यह सर्वोत्कृष्ट बंगाली नाश्ता है, जिसने झाड़ग्राम में अपने चुनाव अभियान के दौरान श्री मोदी द्वारा चखे जाने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया था। विक्रेताओं ने तेज बिक्री की सूचना दी क्योंकि समारोह में ब्रेक के दौरान समर्थक लोकप्रिय स्ट्रीट फूड के लिए कतार में खड़े थे।भाजपा के कमल के निशान के आकार के रसगुल्ले और भाजपा के कमल के निशान से मिलती जुलती संदेश मिठाई की दुकानें भी लोकप्रिय साबित हुईं, जिनमें से कई में भगवा रंग की आइसिंग और पार्टी का प्रतीक चिन्ह था, कुछ ही देर में अलमारियों खत्म हो गई।

समारोह में शामिल होने वालों में भाजपा समर्थक संदीपा मंडल भी शामिल थीं, जो सुंदरबन के संदेशखाली से आई थीं। मंडल ने कहा कि वह शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले घर से निकल गई थीं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह कार्यक्रम में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि मैं एक रिश्तेदार के यहां रुकी और यहां आ गई। हमें यहीं रहना था। उम्मीद है कि यह नई सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सुंदरबन में कोई अत्याचार न हो।स्थानीय महिलाओं से जुड़े भूमि-हथियाने और यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद संदेशखाली राष्ट्रीय सुर्खियों में आया था। पुलिस द्वारा शेख शाहजहां को गिरफ्तार करने के बाद मामले ने व्यापक राजनीतिक ध्यान आकर्षित किया, जिसे इस मामले में मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया था।मंडल के साथ राजरहाट-न्यू टाउन से निर्वाचित विधायक पीयूष कनोडिया खड़े थे। हम जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता हैं, यही कारण है कि हम यहां लोगों के साथ खड़े हैं। कम से कम 20 अन्य निर्वाचित विधायक भीड़ में खड़े हैं और समारोह का उत्साह बढ़ा रहे हैं। क्या आप याद कर सकते हैं कि किसी तृणमूल नेता ने अपने सुनहरे दिनों के दौरान ऐसा किया था? यह एक ऐतिहासिक दिन है। हम सामूहिक रूप से तृणमूल कांग्रेस को खत्म करने में कामयाब रहे हैं, जो हर जगह भ्रष्ट आचरण का पर्याय बन गई थी।समारोह के बाद, अधिकारी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कियाः वास्तव में पश्चिम बंगाल के लिए एक ऐतिहासिक सुबह। दूरदर्शी नेता माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करना अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। आज जब हम आजादी के बाद पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का गवाह बन रहे हैं, तो हम अपने संस्थापक पिताओं के सपनों को पूरा कर रहे हैं। आज दशकों के कुशासन का अंत और विकास, शांति और समृद्धि के डबल इंजन युग की शुरूआत हुई है। सोनार बांग्ला का युग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। स्वागत है, प्रधान मंत्री जी।

अलवर में कूलर में करंट आने से 10 वर्षीय बालक की मौत

अलवर। राजस्थान में अलवर के कोतवाली थाना क्षेत्र में खदाना मोहल्ले में

कूलर में करंट आने से एक बालक की मौत हो गई।परिजनों ने बताया कि बालक अंश सैनी (10) कूलर की ओर गया तो उसे करंट लग गया जिससे वह मौके पर ही अचेत हो गया। इस दौरान घर पर कोई नहीं था और उसके माता पिता मजदूरी करने गए थे। पड़ोसी ने परिजनों को सूचना दी। उसके बाद परिजन घर पहुंचे और बालक को अस्पताल पहुंचाया जहां बालक को मृत घोषित कर दिया गया।इस मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि कूलर में पानी भरा हुआ था। कूलर में अचानक अर्थिंग बन गई। जिससे बालक करंट की चपेट में आ गया।

राजस्व मण्डल : राष्ट्रीय लोक अदालत में 275 राजस्व प्रकरण निस्तारित

अजमेर। राजस्व मंडल स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में सदस्य (न्यायिक), सानुज कुलश्रेष्ठ एवं सदस्य, कमला अलारिया की बैंच में कुल 279 प्रकरणों में से 275 प्रकरण लोक अदालत की भावना से निस्तारित किए गए, जो कि 99 प्रतिशत उपलब्धि है।

लोक अदालत में मंडल में प्रमुखतः 20 वर्ष पुराने गीता देवी बनाम तारा देवी तहसील व जिला पाली, 12 वर्ष पुराने गोपाल बनाम नरेन्द्रसिंह जिला करौली के प्रकरण भी समझाइश के आधार पर निस्तारित किया जाना उल्लेखनीय रहा। इन पक्षकारों को सदस्यगण सहित निबन्धक महावीर प्रसाद, अतिरिक्त निबन्धक हेमंत स्वरूप माथुर व काउन्सलर (लोक अदालत) सुरेश सिन्धी ने शुभकामनाएं दी। लम्बे अरसे से न्याय की आस लगाए बैठे इन पक्षकारों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने लोक अदालत का तहेदिल से आभार जताया।लोक अदालत में अभिभाषक शांतिप्रकाश ओझा, मुकेश जैन, करण गुर्जर, धर्मराज शर्मा, सहदेव चौधरी, हसन खा. गौतम टांक,

नीतूसिंह, पुष्पेन्द्र नरूका, पूनम माथुर, संजना विश्नोई, ज्योत्स्ना भट्ट, मेघा माथुर, विधि छात्रा (निरमा विश्ववि?द्यालय) अहमदाबाद, प्रोफेसर अल्का देश, मण्डल अधिकारीगण एवं कार्मिक तहसीलदार ओमप्रकाश शर्मा, विजय मीणा, आकाश यादव की भागीदारी रही।

कोटा में प्रसूताओं की मौत पर एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं दो नर्सिंगकर्मी निलंबित, एक यूटीबी चिकित्सक बर्खास्त

कोटा जयपुर। राजस्थान में कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में

सिजेरियन ऑपरेशन के बाद प्रसूताओं की मौत एवं तबीयत बिगड़ने के प्रकरण को राज्य सरकार ने गंभीरता से लेते हुए इस मामले में एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं दो नर्सिंगकर्मियों को निलंबित एवं एक यूटीबी चिकित्सक को बर्खास्त कर दिया जबकि दो चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया हैं।चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को बताया कि प्रकरण की प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया चिकित्सा प्रोटोकॉल एवं प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही सामने आने पर विभाग ने शुक्रवार रात सह आचार्य जनरल सर्जरी विभाग डॉ. नवनीत कुमार को निलंबित कर दिया है। साथ ही यूटीबी पर कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. श्रद्धा उपाध्याय को बर्खास्त किया गया है।

राठौड़ ने बताया कि प्रकरण में ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। कार्य में लापरवाही, निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल की अनुपालना में कमी तथा मरीजों की निगरानी में शिथिलता को लेकर सीनियर नर्सिंग अधिकारी गुरजौत कौर एवं निमेश वर्मा को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका तबादला मुख्यालय जयपुर किया गया है।उन्होंने बताया कि स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के यूनिट हेड डॉ. बीएल पटीदार एवं यूनिट हेड डॉ. नेहा सीहरा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में अस्पताल में हुई गंभीर घटना के संबंध में पर्यवेक्षणीय जिम्मेदारी, उपचार प्रक्रिया की मॉनिटरिंग, ऑपरेशन उपरांत निगरानी तथा समन्वय व्यवस्था में संभावित लापरवाही तथा चिकित्सकीय व्यवस्थाओं में कमी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी प्रसूताओं की स्वास्थ्य स्थिति की निरंतर समीक्षा करते हुए चिकित्सकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को विशेषज्ञ चिकित्सकीय निगरानी में सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।राठौड़ ने बताया कि अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि ऑपरेशन थिएटर प्रबंधन, एनेस्थीसिया प्रोटोकॉल, दवा वितरण प्रणाली तथा पोस्ट-ऑपरेटिव मॉनिटरिंग व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जवाबदेही तय करने, सुपरविजन व्यवस्था मजबूत करने तथा चिकित्सा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं।राज्य सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी पाए जाने वाले सभी अधिकारी, चिकित्सक अथवा कार्मिक के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलाना ग्राम पंचायत में सरपंच ने कनिष्ठ सहायक के चेहरे पर थूका

हनुमानगढ़। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के कलाना ग्राम पंचायत में एक कनिष्ठ सहायक कर्मचारी के चेहरे पर सरपंच द्वारा थूककर उसे अपमानित करने का मामला सामने आया है। इस अमानवीय घटना को लेकर कनिष्ठ सहायक आबिद कायमखानी (28) ने वर्तमान सरपंच एवं प्रशासक शेराराम बिजारणिया के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है।पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आबिद खान ने शिकायत में बताया कि 29 अप्रैल को वह पंचायत कार्यालय में अपना नियमित सरकारी काम कर रहा था। तभी वहां सरपंच शेराराम बिजारणिया आया और बिना किसी वजह के उनकी सरकारी ड्यूटी में दखलअंदाजी करने लगा। सरपंच ने पहले तो बुरी तरह से गाली-गलौज कर-के अपमानित किया और फिर उसके चेहरे पर थूक दिया।उसने बताया कि आबिद खान ने तुरंत अपना चेहरा धोया और वापस कुर्सी पर बैठकर काम जारी रखा। इसके बावजूद सरपंच शेराराम ने दोबारा उसके सिर पर थूक दिया। उसने न केवल गाली-गलौज किया बल्कि आबिद खान को अपना सरकारी कार्य करने से पूरी तरह रोक दिया और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया।कनिष्ठ सहायक आबिद खान ने इस घटना की सूचना पंचायत समिति भादरा के विकास अधिकारी को दी। विकास अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शेराराम बिजारणिया को 6 मई को नोटिस जारी किया था। इसके बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आबिद खान ने सरपंच के खिलाफ भादरा थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट में दिए गए पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रेलर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

भीलवाड़ा। जिले के तिलस्वां-सलावटिया मार्ग पर शुक्रवार रात एक ट्रेलर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिलस्वां निवासी पूरण रेगर (25) मोटर साइकिल से बिजौलिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान तिलस्वां के निकट धर्मकांटे से अचानक एक सैंड स्टोन से भरा ट्रेलर सड़क के बीच आ गया। इससे पूरण इस ट्रेलर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पर रोजाना 200 से अधिक सैंड स्टोन के ट्रेलरों की तुलाई होती है। कई गाड़ियां सड़क पर खड़ी रहती हैं और यहीं रॉयल्टी भी काटी जाती है। धर्मकांटा बिल्कुल मुख्य मार्ग पर होने के कारण तुलाई के समय रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है, जिससे यहां से गुजरने वाले छोटे वाहन अक्सर हादसों का शिकार होते हैं। इस धर्मकांटे के कारण पहले भी कई लोग अकाल मृत्यु की भेंट चढ़ चुके हैं।

सिंधु संस्कृति गौरव यात्रा 2026 का आयोजन 17 मई से

संतों ने किया प्रचार सामग्री व बैनर का विमोचन

अजमेर। भारतीय सिंधु सभा व भारतीय सिन्धु सभा राजस्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेशव्यापी सिंधु संस्कृति गौरव यात्रा 2026 के आयोजन के लिए प्रकाशित प्रचार सामग्री, बैनर, व सिन्धी बाल संस्कार शिविर की उपयोगी सामग्री का विमोचन श्री अमरापुर स्थान पर संतों ने विमोचन किया।विमोचन कार्यक्रम में स्थान के स्वामी मनोहरलाल, स्वामी मोहन प्रकाश सहित सन्त महात्मा उपस्थित थे। यात्रा 17 मई से प्रारंभ होकर 14 जून को जयपुर में ही एक विशाल समापन समारोह के साथ संपन्न होगी। यात्रा का शुभारंभ श्री अमरापुर स्थान से पूजा अर्चना व सन्त महात्माओं के आशीर्वचन के साथ होगा। स्वामी मोहन प्रकाश ने इस मौके पर कहा कि विद्यार्थियों व युवा पीढी को सिन्धु सनातन संस्कृति से जोडने के लिए भारतीय सिन्धू सभा के प्रयास सफल हो रहे हैं और संस्कृति यात्राओं से समाज के हर वर्ग का जुडाव हो रहा है। बाल्यकाल से ही मातृभाषा का ज्ञान कराना व महापुरुषों के जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों से बच्चे संस्कारवान होंगे।

यात्रा के प्रभारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार तीथार्णी ने बताया कि इस 29 दिवसीय यात्रा में 31 जिलों से लगभग 5000 किलोमीटर की होगी। यात्रा के दौरान राजस्थान के सभी प्रमुख जिलों में जिला स्तरीय सिंधु संस्कृति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मातृशक्ति और युवाओं की विशेष भागीदारी रहेगी।प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर मोरवाणी ने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान मुख्य रूप से सिंधी बाल संस्कार शिविर, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद द्वारा संचालित कोर्स के लिए स्पॉट रजिस्ट्रेशन काउंटर, प्रदेश स्तरीय सिन्धी पंचायतों के मुखी सम्मेलन पर चर्चा के साथ युवा प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

यह रहेगा यात्रा मार्ग

प्रचार प्रभारी मूलचन्द बसंताणी ने बताया कि यात्रा 17 मई को जयपुर से शुरू होकर किशनगढ़, अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, उदयपुर (24 मई), पाली, बाड़मेर, जैसलमेर होते हुए 31 मई को जोधपुर पहुंचेगी। तत्पश्चात बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, अलवर, खैरथल,भरतपुर, कोटा और बूंदी होते हुए 14 जून को पुनः जयपुर पहुंचेगी। समापन के अवसर पर जयपुर में सिंधु संस्कृति प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सिंधी कला, हस्तशिल्प और व्यंजनों का प्रदर्शन होगा।महानगर अध्यक्ष हीरालाल तोलाणी ने बताया कि प्रचार सामग्री विमोचन के पश्चात जयपुर की प्रमुख ईकाईयों से सम्पर्क व कोर कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संरक्षक मोहनलाल वाधवाणी, मातृशिक्त अध्यक्ष शोभा बसंताणी, नारायण परनाणी, नवलकिशोर गुरनाणी, किशनचन्द भागवाणी, इन्द्र रामाणी, विष्णुदेव सामताणी, डॉ कैलाश शिवलाणी, जस्सूमल आसवाणी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व में भी यात्राओं से जन जागरण किया

सभा की ओर से संविधान की आठवीं अनुसूची में सिंधी भाषा को 10 अप्रैल 1967 को मान्यता प्राप्त होने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 2017 में रथ यात्रा का आयोजन राजस्थान के प्रत्येक जिले व तहसील स्तर तक किया गया था। इसी प्रकार वीर बलिदानी हेमू कालाणी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में 23 मार्च 2022 को सिंधुपति महाराज दाहरसेन स्मारक से रथयात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम हुआ। 30 दिन तक राज्य भर में रथ यात्रा का आयोजन किया गया जिसका जन जागरण युवा पीढ़ी तक किया गया। संगठन की ओर से अखिल भारतीय सिंधी संत समाज की ओर से देवनागरी में श्रीमद् भागवत कथा के प्रकाशन पश्चात तीर्थराज पुष्कर से देश भर में निकाली गई रथ यात्रा का राज्य में भी सहभागिता निभाई गई।

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने पति के खिलाफ दर्ज कराया क्रूरता एवं उत्पीड़न का केस

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया सेलिना जेटली के पति ऑस्ट्रियाई नागरिक पीटर हाग के खिलाफ क्रूरता और उत्पीड़न के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की है।जेटली की कानूनी टीम ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 85, 115(2), 351(2) और 352 के तहत दर्ज की गई है। इसमें शारीरिक नुकसान पहुंचाना, आपराधिक धमकी, क्रूरता और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।इसके साथ ही, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत भी कार्रवाई जारी है।

बताया जा रहा है कि जांच में सहयोग न करने के कारण मुंबई पुलिस ने पीटर हाग के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया है, हालांकि इस पर पुलिस का आधिकारिक बयान आना अभी बाकी है।जेटली का पक्ष करंजावाला एंड कंपनी की कानूनी टीम रख रही है, जिसमें अधिवक्ता संदीप कपूर, निहारिका करंजावाला मिश्रा और रीतिम वोहरा आहूजा शामिल हैं। वहीं, पीटर हाग का प्रतिनिधित्व 'सीएमएस इंडसलॉ' की टीम कर रही है। फिलहाल इन आरोपों पर हाग या उनके प्रतिनिधियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

Ration Card e-KYC 2026: A Comprehensive Guide to Biometric Verification & PDS Benefits

New Delhi |The Government of India has intensified the digital transformation of the Public Distribution System (PDS) in 2026. To ensure that subsidized food grains under the Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana (PMGKAY) and the National Food Security Act (NFSA) reach the intended beneficiaries, the e-KYC process has been streamlined through advanced Point of Sale (PoS) technology.

What is Ration Card e-KYC?

e-KYC (Electronic Know Your Customer) is a digital authentication process that links a beneficiary's Aadhaar data with their Ration Card

records. By 2026, this has shifted from a one-time setup to a periodic verification to eliminate "ghost" beneficiaries and duplicate cards.The process uses Aadhaar-based Biometric Authentication (ABBA). When a beneficiary places their finger on a PoS scanner, the machine generates an encrypted PID (Personal Identity Data) block and sends it to the CIDR (Central Identities Data Repository) for instant matching.The Technical Workflow on PoS Machines-In 2026, PoS machines have been upgraded with L1-level biometric sensors, which offer higher security than previous models. Here is the technical breakdown of the verific Dealer Authentication: The Fair Price Shop (FPS) owner initiates the session using their own biometric or IRISData Fetching: The ration card number is entered, and the PoS machine fetches the member list from the State Food Portals.

नारद जयंती : पत्रकारिता सप्तब्रह्म और नादब्रह्म का दुर्लभ संयोग

अजमेर। महर्षि नारद जयंती समारोह समिति अजयमेरु ने नारद जयंती के अवसर पर देश में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता जगत की चुनौतियां व उनका निवारण, देवर्षि नारद के जीवन चरित्र के संदर्भ सहित विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल थे।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि प्रज्ञा प्रवाह राजस्थान के सह संयोजक डॉ सत्यनारायण कुमावत, समिति अध्यक्ष सुनील दत्त जैन और मंत्री कवल प्रकाश किशनानी ने देवर्षि नारद व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर की। भूपेंद्र उबाना ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया। समिति अध्यक्ष ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया और देवर्षि नारद के सूचना के प्रवाह ही नहीं अपितु पत्रकारिता के माध्यम से जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त करने पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ कुमावत ने कहा कि मीडिया के विभिन्न माध्यमों द्वारा देवर्षि नारद की छवि एक विदूषक की बना दी गई है। नारद अपनी संवाद कला में निष्पक्ष थे, वर्तमान में पत्रकारिता करने वालों को नारद के इसी गुण को सीखने की जरूरत है। पत्रकारों को तटस्थ होने की बजाय निष्पक्ष होना चाहिए। वे अपने कर्तव्य का पालन विश्व के कल्याण की भावना से करें। देश में पत्रकारिता, समाज व राष्ट्र को पश्चिमी संस्कृति से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।। इसमें पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है तथा वे निडरता पूर्वक और निष्पक्ष रूप से कार्य करें।नारद जी के 84 भक्ति सूत्र आज भी पत्रकारिता की भगवद्गीता हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर पत्रकारिता को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, सर्वजन प्रबोधनाय और सर्वजन जागरणाय के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके।देवर्षि नारद हमारे आद्य संवाददाता है। हमारे देश का राज्य चिन्ह सत्यमेव जयते सत्य की अभिव्यक्ति देता है, जो आज मीडिया के लिए एक दायित्व भी है। पत्रकारिता एक मिशन है जिसका कार्य समाज को दिशा देना, मार्गदर्शन करना है। आज इसमें गिरावट आ रही है। नारद के संवाद किसी विचारधारा, किसी दल विशेष के नहीं है। वे राजा, दानव, देव, इंद्र सभी की आंख में आंख डालकर लोकहित में संवाद करते हैं। व्यंग्य करते हुए अपनी बात कहते हैं। उनकी जीवन मूल्यों पर कोई प्रश्नचिंह नहीं लग सकता, लेकिन वर्तमान पत्रकारिता में जीवन मूल्यों का अभाव है।मुख्य वक्ता प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि नारद जयंती वर्ष में एक बार मनाने वाला कार्यक्रम नहीं बल्कि वर्ष भर मनाने वाले कार्यक्रम होना चाहिए। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। हम इसके पाठक, श्रोता, दर्शक व उपभोक्ता हैं। समाज को आगे बढ़ाने वाला माध्यम मीडिया है। वर्तमान समय में मीडिया व समाज में एक संवादहीनता या कहें एक दूरी आ गई है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। समाज में इस पर चर्चा नहीं हो पाती है। पिछले 300-400 सालों में मीडिया एक संगठित शक्ति के रूप में कार्य कर रहा है। समाज में क्या हो रहा है, हमें क्या दिखाना है, यह मीडिया के चिंतन का विषय है।वर्तमान में पत्रकारिता करने वालों को भारत से सीखने की जरूरत है क्योंकि संवाद भारत की परंपरा है। वाद-विवाद और संवादहीनता की स्थिति क्यों आती है। नारद के पास पत्रकारिता की कोई डिग्री नहीं थी लेकिन आज की पत्रकारिता में संवेदना का अभाव है। समाज के लिए पीड़ा होनी चाहिए। उन्हें अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए कि मुझे क्या दिखाना है और क्या नहीं। पत्रकारिता सप्तब्रह्म और नादब्रह्म का दुर्लभ संयोग है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण समय की मांग हैं। हमारा व्यवहार कैसा है, उस पर नजर रखने की जिम्मेदारी मीडिया की है। विदेश में मीडिया द्वारा सत्य दिखाना अपना अधिकार अपने जिम्मेदारी मानी जाती है, वे लाइव दिखाते हैं, परिणाम क्या होगा यह हमारी जिम्मेदार नहीं है। संप्रेषण और संवाद में अंतर है, संप्रेषण सूचना को आगे भेजता है लेकिन संवाद में लोकहित जुड़ा हुआ है।भारत में पत्रकारिता के मापदंड समाज से जुड़े हुए हैं। क्या प्रस्तुत करना क्या प्रस्तुत नहीं करना। ताज होटल पर हमले के समय हमने पत्रकारिता का एक अलग स्वरूप देखा, उसमें किसको फायदा हुआ यह विचारणीय प्रश्न है? हम सत्य तो दिखा रहे हैं, लेकिन क्या यह राष्ट्रीय हित में सही है? नर से नराधम होना सरल है, गिरना सरल है। नरोत्तम बनने के लिए साधना करनी पड़ती है। भारतीय पत्रकारिता साधना की पत्रकारिता है जो पब्लिक और पॉलिटी(सरकार) के मध्य सेतु का कार्य करती है।नारद जी लोकहित की बात करते हैं। दुर्भाग्य से आज इसी बात का अभाव है। तेज सोच चाहिए कि तेज सूचना चाहिए। मीडिया से तटस्थता नहीं निष्पक्षता की उम्मीद करते हैं साथ ही विवेकता व लोकहित की भावना होनी चाहिए जो की सभी के हित में, समाज के हित में हो। शब्द को ब्रह्म कहा जाता है यदि शब्द ब्रह्म से भ्रम बन जाए तो यह चिंता का विषय है। आज सोशल मीडिया समाज की दशा व दिशा निर्धारित कर रहा है यह हमारे लिए सोचने का प्रश्न है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं।समिति के मंत्री ने अतिथियों व महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमें हमारे नेतृत्व पर भरोसा होना चाहिए। आज हम भारत पाकिस्तान के मध्य हुए युद्ध विराम पर सरकार से ज्यादा विदेशी मीडिया भरोसा कर रहे हैं, जबकि हमें हमारी सरकार की बात का भरोसा करना चाहिए, यह पत्रकारिता नहीं है। आज हमें इसी पर विचार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र उबाना ने किया।

स्पा सेंटर पर पुलिस की दबिश, छह लोग हिरासत में

अलवर। राजस्थान में अलवर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए एक स्पा सेंटर पर छापा मारकर स्पा सेंटर संचालिका सहित छह लोगों को हिरासत में लिया।थाना प्रभारी रश्मि मीणा ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि शहर स्थित फैमिली थाई स्पा और सवेरा कॉफी कैफे की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस पर पुलिस दल का गठन करके मौके पर दबिश दी गई।पुलिस जब स्पा सेंटर पहुंची तो वहां संदिग्ध परिस्थितियों में पांच युवक मौजूद मिले। वहीं स्पा सेंटर संचालित करने वाली एक युवती को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है और स्पा सेंटर से जुड़े दस्तावेजों व गतिविधियों की जांच की जा रही है।

तीर्थराज पुष्कर में पुष्करम ज्योतिष चक्रे मासिक पत्रिका का विमोचन

पुष्कर। तीर्थराज पुष्कर के प्रकाशित होने वाली भारतीय प्राच्य विद्याओं की मासिक पत्रिका पुष्करम ज्योतिष चक्रे का विमोचन बुधवार को पुष्करम रिसोर्ट में आयोजित समारोह में किया गया। पत्रिका की प्रकाशक एवं मुद्रक आईडीएसएमटी कोलोनी चन्द्रा देवी तथा मानद सम्पादक ज्योतिषाचार्य एवं जोगणियाधाम संस्थापक भंवरलाल हैं।

पुष्करम ज्योतिष चक्रे के विमोचन अवसर पर पुष्कर के पंडित दिलीप शास्त्री ने वैदिक विधि अनुसार पूजा की। सह सम्पादक एवं व्यवस्थापक एडवोकेट प्रशान्त वर्मा ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों तथा ज्योतिषि वास्तुशास्त्री कर्मकांड के पुरोहितगणों का स्वागत किया।पुस्तक प्रकाशन और इसमें प्रकाशित की गई उपयोगी जानकारी के लिए सभी ने सराहना की। प्रिन्टर किशन गुप्ता, विजय सिंह मौर्य, संतोष खाचरियावास का सहयोग रहा।पुष्कर के पंडित कैलाश दाधीच, पंडित कमल नयन दाधीच, पंडित ओमप्रकाश शर्मा, पंडित दिनेश शास्त्री, ज्योतिषी मोनिका शर्मा, तरूण अग्रवाल तथा वैद्याचार्य मोहित शर्मा आदि कई विद्वानों का विमोचन समारोह में आशीर्वाद मिला। समारोह में पंडित हरीश व्यास, पंडित प्रकाश शर्मा, आनंद शर्मा, महेन्द्र विक्रम सिंह बाघसूरी, मृणालिनी सिंह बाघसूरी, एसपी मित्तल, नगर निगम के पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्री शीला खंडेलवाल, वास्तु विशेषज्ञ रितेश कुमार, पत्रकार राकेश भट्ट, भीखम शर्मा, अनिल शर्मा, नितीन पाराशर आदि ने शिरकत की।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से पिता की मौत, पुत्री घायल

भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी थाने में शनिवार को देवरिया गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटर साइकिल पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसकी पुत्री घायल हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुबह रामपाल पुत्री के साथ मोटर साइकिल पर जा रहे थे, तभी देवरिया के निकट मिट्टी से भरे एक ट्रैक्टर ने उनकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। इससे रामपाल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पुत्री घायल हो गई।उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे के तुरंत बाद चालक ट्रैक्टर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में भिजवाया। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त करके चालक की तलाश शुरू कर दी है।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में मिट्टी और बजरी से भरे ट्रैक्टर चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन दौड़ाते हैं, जिसके कारण आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से इन अनियंत्रित वाहनों पर लगाम लगाने की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)